प्रिय विद्यार्थियों
अपनी हिंदी की कक्षा को आगे बढ़ाते हुए हम अपनी पाठ्य पुस्तक ‘स्पर्श’ का पाठ-2 “दुःख का अधिकार’ आरम्भ करते हैं|

पाठ पढने से पूर्व हम एक मज़ेदार गतिविधि करेंगे | आप स्लाइड संख्या 2 से 7 तक देखिए और दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए एक पृष्ठ पर प्रत्येक तस्वीर के विषय में लिखते जाइये

इन चित्रों को देख कर इन व्यक्तियों के विषय में जो भी विशेषण शब्द (नाम नहीं) आपके मन में आएँ उन्हें चित्र की संख्या अनुसार लिखें

चित्र 1 : बीच में बैठा व्यक्ति

चित्र 2 : लम्बे बालों वाला व्यक्ति

चित्र 3

चित्र 4

चित्र 5

चित्र 6

चित्र 7

चित्र 8

- आपने इन व्यक्तियों के लिए विशेषण लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान दिया ?

- क्या पोशाक किसी व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व के विषय में बता सकती है ?

- आपने जिन लोगों के चित्र देखे अब उनकी वास्तविकता से आपको परिचित करवाते हैं|

सोनू निगम (गायक)

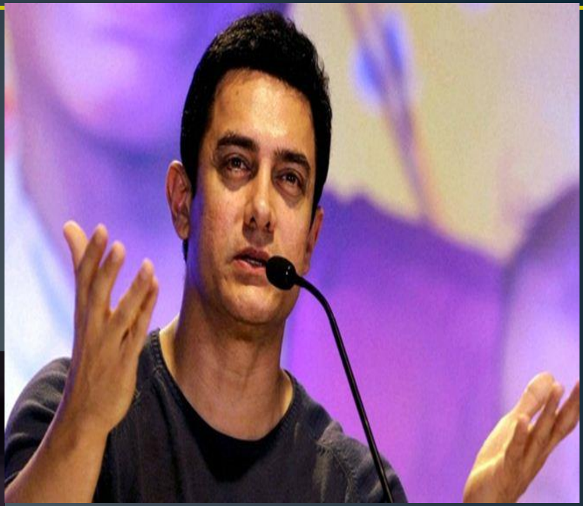

आमिर खान (अभिनेता)

दाऊद इब्राहिम (अंडरवर्ल्ड डॉन)

सावित्री जिंदल (भारत की सबसे अमीर महिला)

नीता अंबानी (महिला उद्यमी)

- अब आप अपने द्वारा किए गए विश्लेषण में और इन लोगों की वास्तविक पहचान में क्या अंतर दिखाई देता है?

- क्या इन व्यक्तियों के विषय में अपनी राय बनाते समय आप इनकी पोशाक या परिधान से प्रभावित थे?

- क्या हमारी संवेदनशीलता और करुणा की भावना पोशाक के आधार पर निर्धारित होनी चाहिए?

तो आपने देखा कि पोशाक समाज में हमारा दर्जा सुनिश्चित करती है , कई बार पोशाक के कारण हमें अनेक अवसर मिल जाते हैं जिनसे हमें लाभ होता है| परन्तु किसी की पोशाक देखकर उसके विषय में अपनी राय बनाना या किसी के प्रति संवेदना दिखाना कितना उचित है, हम अपनी पाठ्य-पुस्तक ‘स्पर्श’ की एक कहानी ‘दुःख का अधिकार ‘ में पढ़ेंगे|

परन्तु कहानी पढने से पूर्व उस कहानी के लेखक के विषय में जानना आवश्यक है| तो इस कहानी के लेखक श्री यशपाल से आपका परिचय करवाते हैं| हालांकि लेखक के विषय में प्रश्न नहीं पूछे जाते परन्तु लेखक को जाने बिना उनकी रचनाओं को नहीं समझा जा सकता

दुःख का अधिकार

लेखक : यशपाल

समाज में सामाजिक एवं आर्थिक समानता लाने के पक्षकार

क्रांतिकारी विचारों के धनी

हिंदी साहित्य के प्रगतिवाद के स्तम्भ लेखक

यशपाल का जन्म 3 दिसम्बर 1903 में फिरोजपुर छावनी के एक खत्री परिवार में हुआ था

पिता : हीरालाल

माता : प्रेमदेवी

आर्यसमाजी

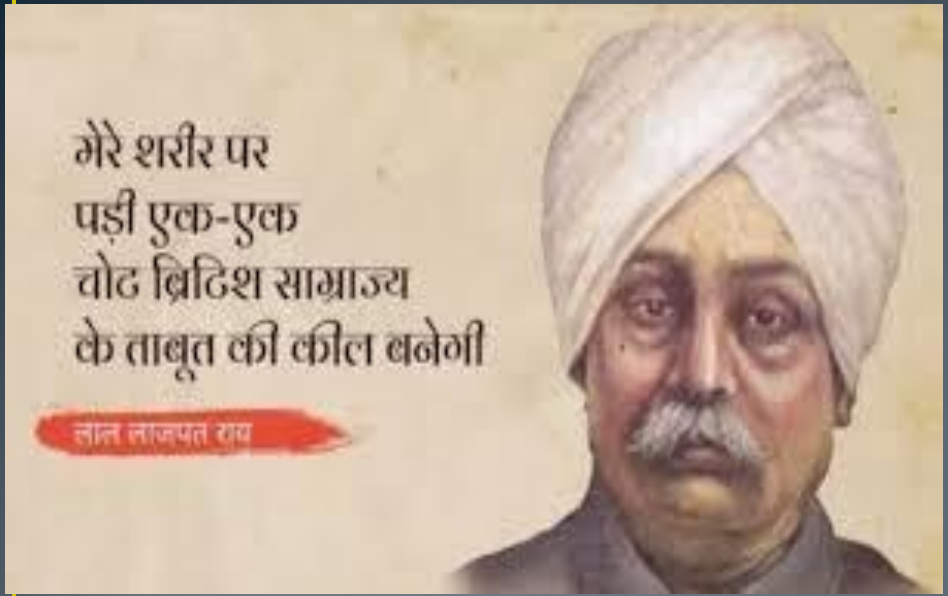

पंजाब के क्रन्तिकारी नेता लाला लाजपतराय से उनका सम्पर्क हुआ तो वे बड़े होकर स्वाधीनता आंदोलन से भी जुड़े.

भगतसिंह से यशपाल की घनिष्ठता थी. उन्होंने लाहौर के नेशनल कॉलेज से बीए किया तथा नाटककार उदयशंकर से उन्हें लेखन की प्रेरणा मिली. देशभक्त क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद, सुखदेव से प्रेरित होकर इन्होने क्रन्तिकारी गतिविधियों में भाग लिया.

मार्क्सवादी विचारधारा से प्रेरित

निर्भीक वक्ता,

स्पष्टवादी और राष्ट्रवादी लेखक

पश्चिम के खुलेपन से और व्यक्ति स्वातंत्र्य से भी उनका लगाव

नीचे दर्जे के लोग व मध्यमवर्गीय लोगों के प्रति उनकी पूर्ण

धर्म की रुढिवादिता, अन्धविश्वास, सामाजिक कुरीतियों का सतत विरोध

सामाजिक रूढ़ियो, पुरातनपंथी विचारों के घोर विरोधी

एक यथार्थवादी रचनाकार

यशपाल की रचनाएं

यशपाल एक समर्थ लेखक रहे हैं. 1940 से 1976 तक उनके 16 कहानी संग्रह प्रकाशित हुए हैं. 17 वाँ संग्रह मृत्यु-उपरांत प्रकाश में आया. जिनमें कुल 206 कहानियाँ संग्रहित हैं. आपने तीन एकांकी, 10 निबंध संग्रह, 3 संस्मरण पुस्तकें तथा 8 बड़े व 3 लघु उपन्यास लिखे, जो प्रकाशित हो चुके हैं. सिंहावलोकन नाम से आपने अपनी आत्मकथा लिखी. आपने 'विप्लव' नामक पत्रिका का सम्पादन भी किया, यशपाल की प्रमुख रचनाओं का नामोउल्लेख इस प्रकार हैं.

कहानी संग्रह – तर्क का तूफान, भस्मावृत, धर्मयुद्ध, ज्ञानदास, फूलों का कुर्ता, पिंजरे की उड़ान, तुमने क्यों कहा मैं सुंदर हूँ, चिंगारी आदि.

उपन्यास – दादा कामरेड, देशद्रोही, पार्टी कामरेड, अमिता, मनुष्य के रूप, झूठा सच, बारह घंटे, दिव्या आदि.

निबंध संग्रह– चक्कर, क्लब, न्याय का संघर्ष, बात बात में, पत्र पत्रिका के दर्जनों लेख.

यात्रा संस्मरण – राह बीती, लोहे की दीवारों के दोनों और आदि. कुछ अनुदित रचनाएं भी मिलती है, जिनमें जनानी, ड्योढ़ी, पक्का कदम जैसे उपन्यास हैं.

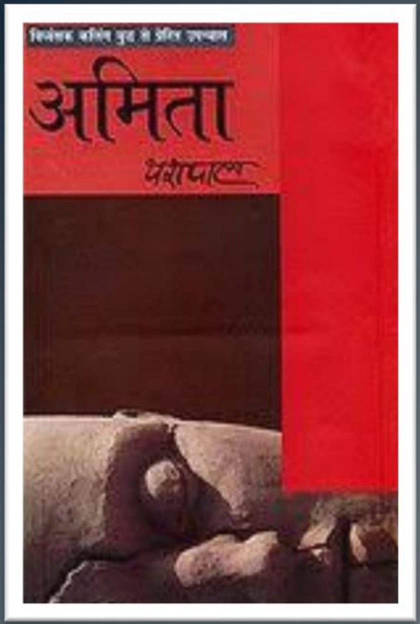
अमिता
यशपाल

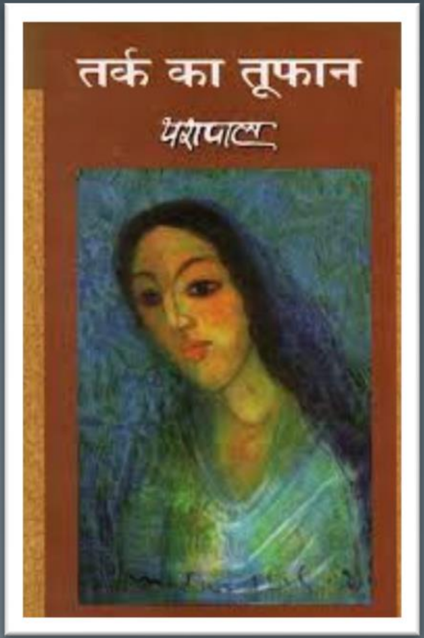
तर्क का तूफान
यशपाल

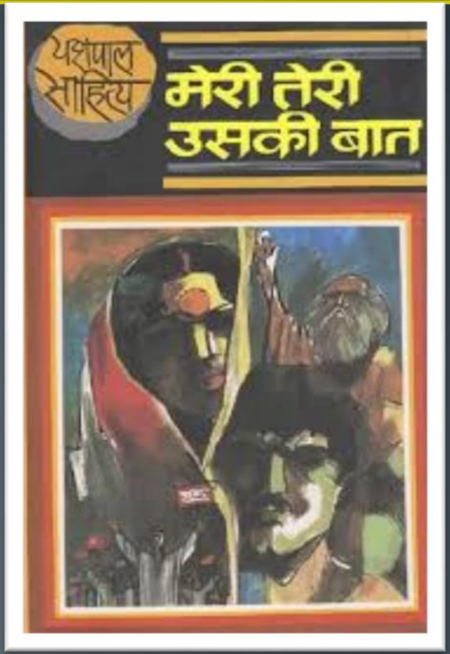
यशपाल साहित्य
मेरी तेरी उसकी बात

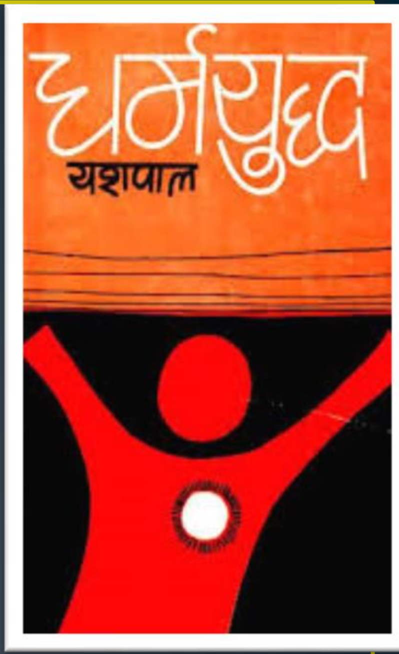
धर्मयुद्ध
यशपाल

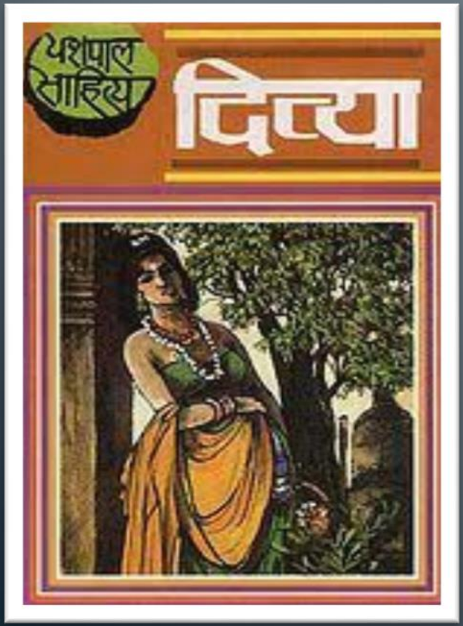
यशपाल साहित्य
दिव्या

यशपाल साहित्य
यशपाल
की सम्पूर्ण
कहानियाँ

यशपाल साहित्य
दादा कॉमरेड

झूठा सच
यशपाल
देश का भविष्य

अब आप अपनी पाठ्य पुस्तक से पाठ का पठन कीजिए

दुःख का अधिकार

https://www.youtube.com/watch?list=RDcWW3PrmdgzY&v=cWW3PrmdgzY

इस लिंक पर क्लिक करके आप पाठ का नाट्य रूपांतरण देख सकते हैं

https://www.youtube.com/watch?v=ii4X4Roj_-8&list=FLXu85QzhcgI2eSSx4tMxrIw

पाठ का पठन कीजिए और पाठ की व्याख्या के लिए उपरोक्त लिंक पर क्लिक कीजिए

पाठ का सार.....

- दुख का अधिकार' पाठ के माध्यम से लेखक यशपाल जी ने समाज में उपस्थित अंधविश्वासों पर प्रहार किया है। लोगों की गरीबों के प्रति मानसिकता को भी उन्होंने इस कहानी के माध्यम से दर्शाया है। किसी भी भू-भाग में चले जाएँ अमीरी और गरीबी का अंतर आपको स्पष्ट रूप से दिख जाएगा। परंतु इस आधार पर किसी के साथ अमानवीय व्यवहार करना हमें नहीं सुहाता। लेखक पाठ के माध्यम से एक वृद्ध स्त्री के दुख का वर्णन करता है। उस वृद्ध स्त्री का एक ही बेटा था। उसकी अकाल मृत्यु हो जाती है। घर की सारी ज़िम्मेदारी वृद्ध स्त्री पर आ जाती है। धन के अभाव में बेटे की मृत्यु के अगले दिन ही वृद्धा को बाज़ार में खरबूज़े बेचने आना पड़ता है।

पाठ का सार.....

- ✓ आस-पास के लोग उसकी मजबूरी को अनदेखा करते हुए, उस वृद्धा को बहुत भला-बुरा बोलते हैं। लेखक समाज को यही संदेश देना चाहते हैं कि गरीबों की मजबूरी को कभी अनदेखा नहीं करना चाहिए। यह सत्य है कि दुख समान रूप से सबके जीवन में आता है। सभी अपनों के जाने का दुख मनाना चाहते हैं पर अपनी आर्थिक स्थिति के कारण मना नहीं पाते। भारत जैसे देश में बहुत से लोग हैं, जिन्हें यह समाज दुख मनाने का अधिकार भी नहीं देता है। यह हमारे लिए विडंबना की बात है।

शिक्षण आरेख (जी.ओ.)

- पाठ 'दुःख का अधिकार' में से शब्दों का चयन करके उत्तरपुस्तिका में एक शिक्षण आरेख का निर्माण कीजिए |
- शिक्षण आरेख हेतु निम्नांकित लिंक पर क्लिक कीजिए –
- http://gyanalaya.pbworks.com/w/page/52418540/%E0%A4%A6%E0%A5%81%E0%A4%83%E0%A4%96%20%E0%A4%95%E0%A4%BE%20%E0%A4%85%E0%A4%A7%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B0

इन शब्दों से उपसर्ग , मूलशब्द , प्रत्यय अलग करके इस प्रकार की तालिका में लिखिए

उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय
परि	स्थित	इ
अधि	कार	-

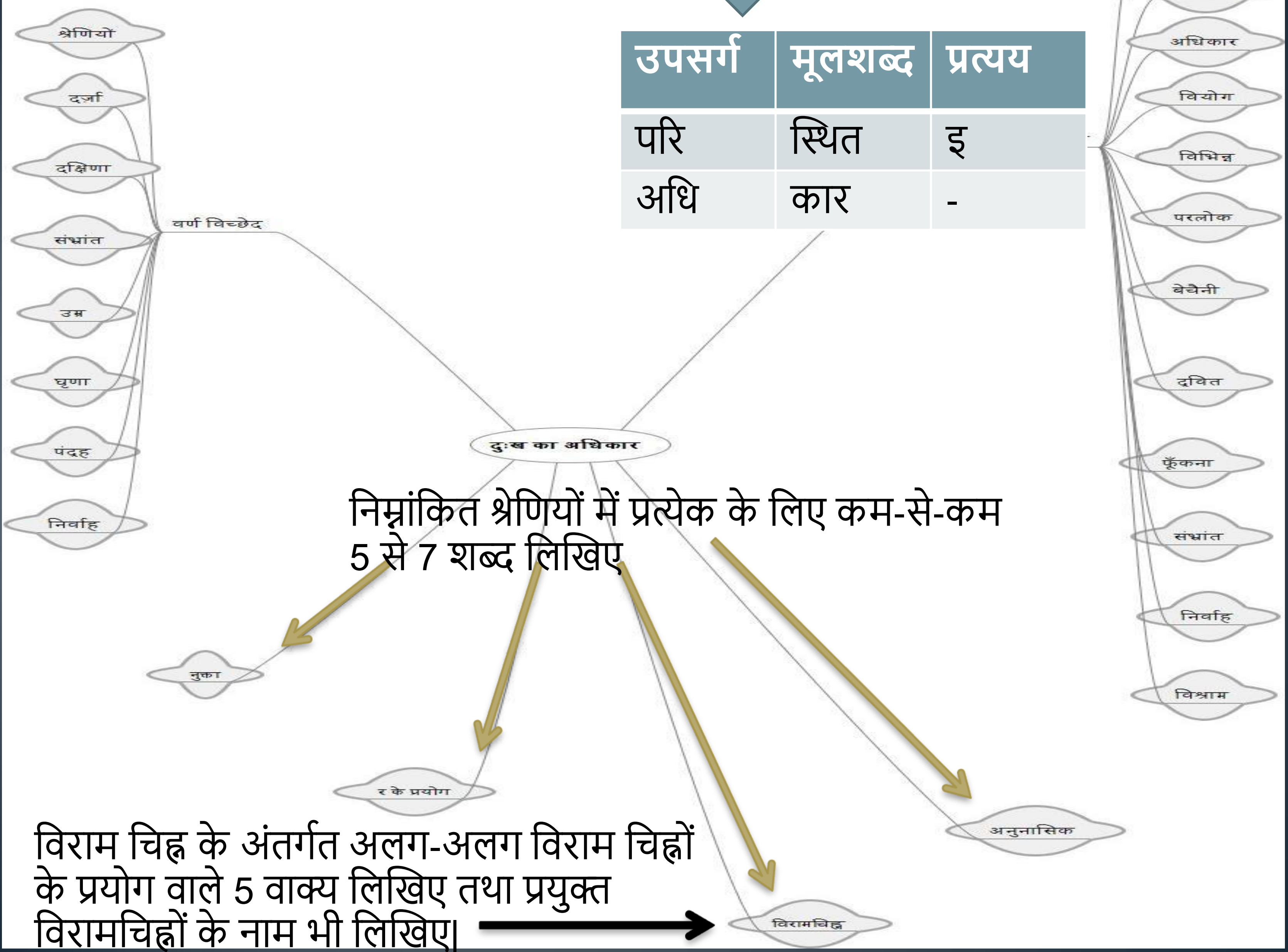

निम्नांकित श्रेणियों में प्रत्येक के लिए कम-से-कम 5 से 7 शब्द लिखिए

विराम चिह्न के अंतर्गत अलग-अलग विराम चिह्नों के प्रयोग वाले 5 वाक्य लिखिए तथा प्रयुक्त विरामचिह्नों के नाम भी लिखिए|

पाठ के अंत में अभ्यास प्रश्न दिए गए हैं | इनमें से मौखिक प्रश्न उत्तर पुस्तिका में नहीं किए जाएँगे| पाठ में से इन प्रश्नों के उत्तर छाँटिए|
अब आप अपने द्वारा दिए गए उत्तरों को अगली स्लाइड में दिए गए उत्तरों से मिलान करके जाँचिये की आपने कितने सही उत्तर दिए हैं -

1. किसी व्यक्ति की पोशाक को देखकर हमें क्या पता चलता है?

उत्तर:- किसी व्यक्ति की पोशाक को देखकर हमें समाज में उसका दर्जा और अधिकार का पता चलता है तथा उसकी अमीरी-गरीबी श्रेणी का पता चलता है।

2. खरबूज़े बेचनेवाली स्त्री से कोई खरबूज़े क्यों नहीं खरीद रहा था?

उत्तर:- बेटे की मृत्यु के कारण वह बुढ़िया घुटनों में मुँह छिपाए बुरी तरह रो रही थी अतः लोग उससे खरबूजे नहीं खरीद रहे थे।

3. उस स्त्री को देखकर लेखक को कैसा लगा?

उत्तर:- उस स्त्री को देखकर लेखक का मन व्यथित हो उठा। उनके मन में उसके प्रति सहानुभूति की भावना उत्पन्न हुई थी। वह उस स्त्री के रोने का कारण जानना चाहते थे|

4. उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था?

उत्तर:- उस स्त्री का लड़का एक दिन मुँह-अंधेरे खेत में से बेलों से खरबूजे चुन रहा था की गीली मेड़ की तरावट में आराम करते साँप पर उसका पैर पड़ गया और साँप ने उस लड़के को डस लिया। ओझा के झाड़-फूँक आदि का उस पर कोई प्रभाव न पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।

5: बुढ़िया को कोई भी उधार क्यों नहीं देता?

उत्तर: बुढ़िया के घर का इकलौता कमाऊ सदस्य अब इस दुनिया में नहीं था, इसलिए उसे कोई भी उधार नहीं दे रहा था। लोगों को अपना उधार वापस मिलने की उम्मीद नहीं थी|

प्रश्न उत्तर

http://gyanalaya.pbworks.com/w/page/139118412/%E0%A4%A6%E0%A5%81%E0%A4%83%E0%A4%96%20%E0%A4%95%E0%A4%BE%20%E0%A4%85%E0%A4%A7%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B0%20%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B6%E0%A5%8D%E0%A4%A8-%E0%A4%89%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A4%B0

विस्तृत उत्तरीय प्रश्नों के लिए उपर्युक्त लिंक पर क्लिक कीजिए | उत्तर देखने के लिए आपको फाइल डाउनलोड करनी पड़ेगी

टिप्पणी – इन प्रश्नों को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में भी कीजिए||

धन्यवाद